

यदी आप को नियमित दैनिक **सुफ्फा** का अंक प्राप्त नहीं हो रहा है या फिर आप दैनिक **सुफ्फा** हासिल करना चाहते हैं तो इस नम्बर पर संपर्क करें- **7620469536**
औरंगज़ेब हुसैन (कार्यकारी संपादक)

सुफ्फा

मुख्य संपादक: सज्जाद हुसैन अल्ताफ हुसैन

R.N.I. MAHHIN/2017/70719



Email:suffaakl@gmail.com

■ साल ८ वा ■ अंक १४९ ■ तारीख, शनिवार १९ जुलाई २०२५

■ अकोला ■ पृष्ठ ४ ■ मूल्य ३ रुपये

राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने जैसे हालात..!

उद्धव ठाकरे का फडणवीस सरकार पर बड़ा हमला



आन्हाड और भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर के बीच तीखी कहासुनी हो गई थी. इस बहस ने जल्द ही हिंसक रूप ले लिया और दोनों नेताओं के समर्थकों के बीच विधान भवन परिसर में ही जमकर मारपीट हुई. इससे पहले भी भाजपा विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा कैटीन में एक व्यक्ति की पिटाई का मामला सामने आया था. इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, सरकार की शक्ति अब खुलेआम गुंडागर्दी में बदलती दिख रही है. कल विधानसभा परिसर में जो हुआ, वह बेहद शर्मनाक था. विधायकों की सार्वजनिक मुक्केबाजी से महाराष्ट्र का सिर शर्म से झुक गया है. अगर विधानसभा परिसर में इस तरह की अराजकता फैलेगी, तो यह राष्ट्रपति शासन जैसी स्थिति की

ओर इशारा करता है. ठाकरे ने आगे कहा कि यह पहली बार है जब विधान भवन जैसे गरिमामयी स्थान में इस तरह की घटनाएं हो रही हैं. उन्होंने चेताया कि अगर इस तरह की अराजकता पर काबू नहीं पाया गया, तो राज्य की लोकतांत्रिक छवि को भारी नुकसान पहुंचेगा. उन्होंने कहा, अगर लोकतंत्र की हत्या करने वाले लोग विधानमंडल में घूमने लगें, तो जनता क्या करे? यह स्थिति बेहद गंभीर है और सभी दलों को मिलकर ऐसे गुंडा तत्वों को उनके पदों से हटाना चाहिए. इस दौरान उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ संभावित राजनीतिक समीकरणों पर भी बात की. उन्होंने कहा कि मराठी अस्मिता के मुद्दे पर वे और राज ठाकरे पहली बार एक मंच पर आए हैं.

मुंबई- महाराष्ट्र विधानसभा परिसर में हाल के दिनों में हुई मारपीट की घटनाओं को लेकर शिवसेना (उद्धव गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है. ठाकरे ने कहा कि सरकार के संरक्षण

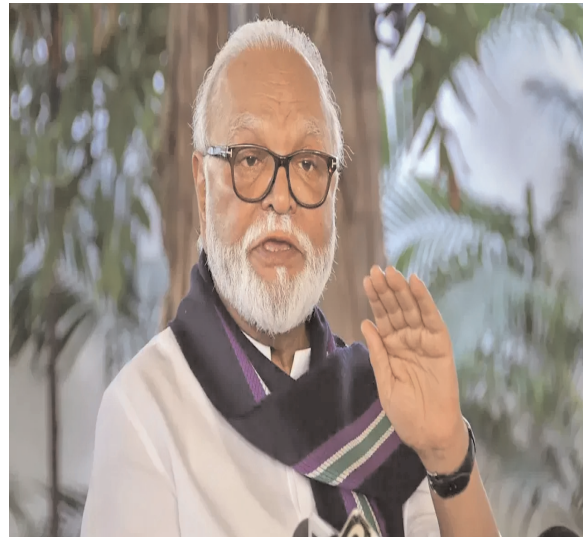
में विधानसभा में हो रही गुंडागर्दी से राज्य की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान हो रहा है और वर्तमान हालात राष्ट्रपति शासन लागू करने जैसे हो गए हैं. दरअसल, दो दिन पहले विधानसभा भवन में एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक जितेंद्र

इस्लामपुर का बदला नाम किया ईश्वरपुर ..!

महाराष्ट्र सरकार ने बदल दिया है नाम

नई दिल्ली- महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की, जिसमें उन्होंने कहा कि सांगली जिले के इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर कर दिया जाएगा. इस बात की जानकारी राज्य विधानसभा में मानसून सत्र के अंतिम दिन मंत्री छगन भुजबल द्वारा दी गई. मंत्री का कहना है कि इस प्रस्ताव को वह केंद्र सरकार के पास भेजेंगे, जहां अंतिम मुहर लगेगी. हिंदूवादी संगठन शिवप्रतिष्ठान ने सांगली के कलेक्टर को एक पत्र भेजकर नाम बदलने की मांग की थी. शिव प्रतिष्ठान के प्रमुख संभाजी भिडे हैं. भिडे के समर्थकों का कहना था कि जब तक यह मांग पूरी नहीं होती, वे चैन से नहीं बैठेंगे.

इस्लामपुर के एक शिवसेना नेता ने कहा कि नाम बदलने की मांग १९८६ से चली आ रही है. हिंदूवादी संगठन शिवप्रतिष्ठान ने मांग की थी कि इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर कर दिया जाए. फडणवीस सरकार के मंत्री छगन भुजबल ने विधानसभा की तरफ से इस मांग को मंजूरी दे दी है. उन्होंने कहा कि वह इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार की पास भेजेंगे जहां प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी दी जाएगी. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की स्वीकृति मिलने के बाद ही इस प्रस्ताव को पूर्ण रूप से स्वीकार किया जाएगा. महाराष्ट्र सरकार पिछले साल दो शहरों के नाम बदल दिए थे. जिसमें पहला शहर औरंगाबाद और दूसरा



उस्मानाबाद था.

महाराष्ट्र सरकार ने औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजी नगर और उस्मानाबाद शहर का नाम बदल कर धाराशिव कर दिया था. बता दें कि छत्रपति संभाजी, छत्रपति

शिवाजी महाराज के बड़े पुत्र थे, जिन्हें बाद में मुगल बादशाह औरंगजेब ने फांसी दे दी थी. वहीं पिछले साल अक्टूबर महीने में अहमद जिले का नाम बदलकर पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी जिले के नाम पर कर दिया था.

छत्तीसगढ़: पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे को ईडी ने कथित शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार



नई दिल्ली- छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार (१८ जुलाई) को कथित शराब घोटाले के सिलसिले में उनके भिलाई स्थित घर की तलाशी लेने के बाद गिरफ्तार कर लिया. इस साल ईडी ने दूसरी बार उनके घर पर छापेमारी की है. इस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तंज करते हुए इसे बेटे के जन्मदिन पर मिला 'तोहफा' बताया. बघेल ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई इसलिए की गई ताकि वे विधानसभा सत्र के दौरान रायगढ़ ज़िले की तमनार तहसील में अडानी समूह की कोयला परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई का मुद्दा न उठा सकें. इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, चैतन्य की गिरफ्तारी के विरोध में शुक्रवार सुबह भूपेश बघेल समेत सभी कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा की कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया. विपक्ष के नेता चरण दास महंत ने कहा, 'ईडी जो दबाव बना रही है, वोनिंदनीय है. हम इसका विरोध करते हैं और कार्यवाही का बहिष्कार करते हैं. विधानसभा से बाहर निकलते वक्त कांग्रेस विधायकों ने नारा लगाया- 'एक पेड़ मां के नाम, बाकी सब बाप के नाम.' ईडी की कार्रवाई के तुरंत बाद बघेल के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा:

पता नहीं ये क्या बम है? नाना पटोले के हनीट्रैप

के आरोप पर सीएम फडणवीस का जवाब

मुंबई- महाराष्ट्र में कथित हनीट्रैप रैकेट को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है. राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को इस मुद्दे पर विधानसभा में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार को इस संबंध में अब तक कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है. उन्होंने कहा, 'न तो किसी मंत्री और न ही किसी अधिकारी ने अब तक हनीट्रैप को लेकर कोई शिकायत दर्ज कराई है.' मुख्यमंत्री की यह प्रतिक्रिया कांग्रेस विधायक और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि ठाणे, नासिक और मुंबई के मंत्रालय परिसर में उच्च पदस्थ मंत्री, वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को हनीट्रैप का निशाना बनाया गया है. पटोले ने



आरोप लगाया कि इस कांड में कई अधिकारी शामिल हो सकते हैं और यह मामला राज्य की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है. पटोले ने विधानसभा में बोलते हुए दावा किया कि उनके पास इस मामले से जुड़े 'सभी सबूत

एक पेन ड्राइव में' हैं और उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार को लंबे समय से इस मामले की जानकारी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई. उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि वह इस मामले को दबाने का प्रयास कर रही है, जबकि यह राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा मामला है, जिसमें संवेदनशील दस्तावेज लीक होने की आशंका है. इस बयान के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पलटवार करते हुए कहा, 'हमें नहीं पता कि यह किस तरह का बम है, लेकिन अब तक कोई शिकायत नहीं मिली है. किसी अधिकारी या मंत्री ने अब तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है.' उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी शिकायत को गंभीरता से लेगी, लेकिन अभी तक ऐसी कोई सूचना या दस्तावेज उनके पास नहीं आए हैं. वहीं, विधानसभा

अध्यक्ष राहुल नावकर ने राज्य सरकार से इस मुद्दे पर संज्ञान लेने और सदन में जवाब दाखिल करने को कहा. कांग्रेस द्वारा लगातार उठाए जाने के बाद अध्यक्ष ने सरकार को निर्देश दिया कि वह शुक्रवार को सत्र के समापन से पहले इस पर विस्तृत रिपोर्ट पेश करे. इस बीच, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सदन को भरोसा दिलाते हुए कहा कि सरकार इन आरोपों को गंभीरता से ले रही है. उन्होंने कहा, जांच की जाएगी और अगर कोई दोषी पाया गया, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. विवाद उस वक्त और बढ़ गया जब मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया कि महाराष्ट्र में कई वरिष्ठ अधिकारियों को एक महिला द्वारा हनीट्रैप में फंसाया गया और उन्हें ब्लैकमेल कर उनसे जबरन धन की मांग की गई.

क्या प्री-प्लान्ट थी महाराष्ट्र विधानसभा में झड़प? अदालत में पुलिस की दलील से उठे सवाल

मुंबई- महाराष्ट्र में विधानसभा परिसर में झड़प का मामला अब सियासी रूप ले चुका है. इस मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है वैसे विधान भवन पहुंचने वाले लोगों की पहचान भी हो रही है. इसमें नितिन देशमुख का नाम तेजी से चर्चा में आया है. आरोप लगाया जा रहा है कि बीजेपी विधायक गोपीचंद पडलकर ने नितिन देशमुख को वहां बुलाया था. अब इस मामले के जांच अधिकारी कोर्ट में दलील पेश करते हुए नितिन देशमुख की ७ दिन की कस्टडी की मांग की है. जांच अधिकारी ने कहा कि नितिन देशमुख ने गैर कानून तरीके से विधान भवन परिसर में भीड़ इकट्ठा

की थी और दूसरे पक्ष के सर्जराव टकले के बीच झड़प हुई. सर्जराव टकले पर ६ केस पहले से दर्ज हैं जबकि नितिन देशमुख पर ७ केस दर्ज हैं. टकले के पास विधान भवन का पास नहीं था. पुलिस का मानना है कि कुछ दिन पहले हुई झड़प को लेकर पुलिस को शक है कि प्लान करके इस घटना को अंजाम दिया गया है. पुलिस ने अदालत से ७ दिनों की कस्टडी की मांग की.

पुलिस ने आरोपियों के व्हाट्सएप चैट्स का किया जिक्र अदालत में सुनवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के व्हाट्सएप चैट्स का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे पास डिजिटल एविडेंस है कि विधान भवन की घटना को प्लान

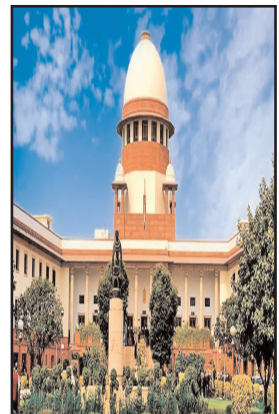


करके किया गया. वहीं, डिफेंस पक्ष ने अदालत में दलील दी की यह आकस्मिक घटना है. इसमें कोई प्लानिंग नहीं है. दोनों के बीच विवाद हुआ जिसके बाद यह घटना हुई. इसमें कोई बड़ी साजिश जैसा कुछ नहीं है. गुरुवार को विधानसभा की

लॉबी में जोरदार हंगामा हुआ, बीजेपी विधायक गोपीचंद पडलकर और एनसीपी विधायक जितेंद्र आन्हाड के समर्थक आपस में भिड़ गए, बात गाली-गलौज और मारपीट तक पहुंच गई. चूंकि यह हंगामा विधानसभा की लॉबी में हुआ

था, इसलिए अब इस मामले को विधानसभा अध्यक्ष राहुल नावकर ने गंभीरता से लिया है. इस हंगामे के बाद राहुल नावकर ने विधायकों को खरी-खोटी सुनाई है, साथ ही एक बड़ा फैसला भी लिया है. राहुल नावकर ने फैसला किया है कि अब से विधानसभा में आगंतुकों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में विधायकों का व्यवहार चिंता का विषय है, हमें पद की शपथ लेते समय संविधान का गंभीरता से पालन करना होगा. इसलिए, अब से केवल विधायकों और उनके अधिकृत निजी सहायकों को ही विधानसभा में प्रवेश की अनुमति होगी.

केंद्र-महाराष्ट्र सरकारों को फटकार....तो विचाराधीन कैदियों को करेंगे रिहा



नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को जमकर फटकार लगाई. कोर्ट ने अपेक्षित विशेष अदालतें स्थापित करने पर जोर देते हुए कहा कि अगर ऐसा नहीं होता है तो वह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआई) द्वारा आरोपित विचाराधीन कैदियों को रिहा कर देगा. जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सवाल किया कि अखिर कब तक विचाराधीन कैदियों को हिरासत में रखा जाएगा. कोर्ट ने चेतावनी देते

हुए केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को विशेष अदालतें स्थापित करने का अंतिम अवसर दिया. पीठ ने कहा कि यदि प्राधिकारी समयबद्ध सुनवाई के लिए अपेक्षित बुनियादी ढांचे के साथ विशेष अदालतें स्थापित करने में असफल रहते हैं, तो न्यायालयों के पास विचाराधीन कैदियों को जमानत पर रिहा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा, क्योंकि ऐसे संदिग्धों को कब तक सलाखों के पीछे रखा जा सकता है, जब त्वरित सुनवाई और समयबद्ध तरीके से सुनवाई पूरी करने की कोई व्यवस्था नहीं है. अदालत ने यह दिखानी एनआईए के एक मामले में विचाराधीन कैदी कैलाश रामचंदानी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए की. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यदि भारत संघ और प्रतिवादी-राज्य सरकार विशेष अदालतें स्थापित करने में विफल रहती हैं, तो जमानत पर रिहाई के लिए याचिकाकर्ता की प्रार्थना पर अगली तारीख पर गुण-दोष के आधार पर विचार किया जाएगा.

जो भी मराठी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा.. भाषा विवाद पर राज ठाकरे ने दी धमकी

मुंबई- महाराष्ट्र विधानसभा में विधायकों के समर्थकों के बीच हालिया हाथापाई की घटना के बाद, राज्य की राजनीति में मराठी बनाम हिंदी को लेकर बहस तेज हो गई है. शुक्रवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने मीरा रोड के नित्यानंद नगर में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य सरकार पर कड़ा प्रहार किया और मराठी भाषा के समर्थन में खुलकर आवाज उठाई. राज ठाकरे ने सभा की शुरुआत में ही कहा, हमारे महाराष्ट्र का क्या हो गया है? उन्होंने हालिया घटना का जिक्र करते हुए कहा कि उनके पार्टी कार्यकर्ताओं ने मराठी भाषा और अस्मिता के अपमान के विरोध में हाथ उठाया, जिसे गलत रूप में प्रचारित किया जा रहा है. अपने समर्थकों को महाराष्ट्र के सैनिक बताते हुए ठाकरे ने कहा, जब मेरे सैनिक मराठी भाषा के लिए हाथ उठाते हैं, तो हमारी पार्टी पर सवाल उठाने वाले अब कहां हैं? राज ठाकरे ने राज्य सरकार द्वारा पहली से पांचवीं कक्षा तक हिंदी भाषा को अनिवार्य करने के फैसले का विरोध



करते हुए कहा कि यह कदम महाराष्ट्र की पहचान को मिटाने की साजिश है. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, मराठी सीखो, हम कोई झगड़ा नहीं चाहते, लेकिन अगर मजाक करोगे तो महाराष्ट्र को झटका लगेगा. उन्होंने कहा, कल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वे तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अनिवार्य करेंगे. अगर सरकार आत्महत्या करना चाहती है तो करे. हम केवल दुकानें ही नहीं, जरूरत पड़ी तो स्कूल भी बंद करवा देंगे. सैनिक मराठी भाषा के लिए हाथ उठाते हैं, तो हमारी पार्टी पर सवाल उठाने वाले अब कहां हैं? राज ठाकरे ने राज्य सरकार द्वारा पहली से पांचवीं कक्षा तक हिंदी भाषा को अनिवार्य करने के फैसले का विरोध

अल्पसंख्यक मंत्रालय ने जारी की मौलाना आज़ाद फेलोशिप, शोधार्थी बोले: यह एहसान नहीं, हमारी जीत है

नई दिल्ली- लंबे इंतज़ार के बाद मौलाना आज़ाद नेशनल फेलोशिप की लंबित राशि जारी कर दी गयी है. गुरुवार (१७ जुलाई) को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने इसकी घोषणा की. दिलचस्प यह है कि इस मंत्रालय के मंत्री किरन रिजिजू बाकाया राशि जारी करने की घोषणा को किसी उपलब्धि की तरह पेश कर रहे हैं. यह घोषणा करते हुए रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा है:

एक छोटा कदम, जो बहुतों के लिए बहुत सायने रखता है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के लिए प्रतिबद्ध हैं. 'भागीदारी से भाग्योदय' केवल एक नारा नहीं, बल्कि हमारा मिशन है. मंत्री के इस बयान पर मौलाना आज़ाद नेशनल फेलोशिप स्कॉलर्स एसोसिएशन ने तीखी टिप्पणी की है. मंत्री को संबोधित एक सोशल मीडिया पोस्ट में एसोसिएशन ने कहा है:



फेलोशिप जारी करना एक ज़िम्मेदारी है — कोई एहसान नहीं.

सात महीने से भी अधिक समय तक चुप्पी छापे रहने के दौरान शोधार्थियों ने भूख, कर्ज़ और हाताशा झेली. इस 'सशक्तिकरण' नहीं कहा जा सकता — यह विलंबित न्याय है, जो निरंतर और सामूहिक संघर्ष के ज़रिए हासिल हुआ. इसके अलावा, यूजीसी मानकों के अनुरूप मकान किराया भत्ता (एचआरए) में अब तक संशोधन नहीं हुआ है, जिससे देशभर के स्कॉलर्स को और अधिक आर्थिक कठिनाइयों का सामना

करना पड़ रहा है. हम उम्मीद करते हैं कि आगे से फेलोशिप हर महीने समय पर और बिना देरी के वितरित की जाएगी. दवायर हिंदी की पिछली रिपोर्ट में यह बात सामने आई थी कि इस फेलोशिप के तहत पीएचडी कर रहे ज्यादातर शोधार्थियों का दिसंबर २०२४ से वजीफा नहीं आया है. कुछ शोधार्थियों को उसके पहले का भी वजीफा नहीं मिला. इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में भी यह बात सामने आई है कि लंबित भुगतान जारी करने की घोषणा का

शोधार्थी स्वागत तो कर रहे हैं लेकिन उनकी मांग है कि सरकार यह सुनिश्चित करे कि आगे से कोई देरी न हो और हर महीने फेलोशिप समय से मिले. साथ ही यह मांग लगातार उठाई जा रही है कि यूजीसी-जेआरएफ/एसआरएफ स्कॉलर्स की तरह ही मौलाना आज़ाद नेशनल फेलोशिप के स्कॉलर्स को भी संशोधित मकान किराया भत्ता (एचआरए) मिले. गौरतलब है कि दिसंबर २०२२ में केंद्र सरकार ने इस फेलोशिप को बंद कर दिया था,

अग्रलेख

एनसीईआरटी की नई किताब से रज़िया सुल्तान और नूरजहां बाहर, मुग़ल 'क्रूर' और 'असहिष्णु'

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा ८ की नई सामाजिक विज्ञान की किताब में से दो प्रभावशाली मुस्लिम महिला शासकों-दिल्ली सल्तनत की रज़िया सुल्तान और मुग़ल काल की नूरजहां का नाम पूरी तरह से हटा दिया गया है. पुरानी किताब में साल १२३६ से १२४० तक शासिका रही रज़िया को उनके भाइयों से ज़्यादा सक्षम बताया गया था और उनके सिक्कों व शिलालेखों का उल्लेख किया गया था, जिनमें उन्होंने खुद को सुल्तान इल्तुतमिश की बेटी बताया था. इसी तरह, पुरानी किताब में जहांगीर की पत्नी नूरजहां को एक प्रभावशाली शासिका बताया गया था जिनके नाम से फरमान जारी होते थे. पुरानी पाठ्यपुस्तक में उल्लेख है कि नूरजहां के नाम से मुहरें जारी की जाती थीं, जिन पर ऐसे संदेश खुदे होते थे जो उन्हें जहांगीर के समकक्ष दर्जा देते थे. लेकिन नई किताब में इन दोनों महिलाओं का कहीं जिक्र नहीं है. वहीं, कुछ नई महिला किरदारों को जगह दी गई है. जैसे कि रानी दुर्गावती, जिन्हें अकबर के खिलाफ वीरतापूर्वक युद्ध लड़ने वाली शासिका बताया गया है. मराठों पर आधारित अध्याय में ताराबाई को 'निडर योद्धा रानी' कहा गया है. साथ ही, सन १८५७ की बगावत के दौरान शामिल रही बेगम हज़रत महल को 'वीरंगना' बताया गया है. एनसीईआरटी में सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम समूह के प्रमुख मिशेल डेनिनो ने द हिंदू को बताया कि और भी महिलाओं को शामिल करने की कोशिश की गई थी, लेकिन 'सिलेबस कम करने के निर्देश' और 'जगह की सीमा' के चलते ऐसा संभव नहीं हो सका. दिल्ली सल्तनत और मुग़ल शासकों के बारे में अब पहली बार कक्षा ८ में पढ़ा जाएगा. एनसीईआरटी की कक्षा ८ की नई सामाजिक विज्ञान की किताब में इन दोनों साम्राज्यों को स्थान दिया गया है, लेकिन जिस अंदाज़ में उन्हें पेश किया गया है, उस पर विवाद खड़ा हो गया है. किताब में मुग़ल शासनकाल को 'क्रूर', 'असहिष्णु' और 'धार्मिक हिंसा से भरा' बताया गया है. ज्ञात हो कि पुराने पाठ्यक्रम में दिल्ली सल्तनत और मुग़ल शासकों के बारे में पहली बार कक्षा ७ के किताब में पढ़ाया जाता था. यह किताब 'समाज की खोज: भारत और उससे आगे' (जिंदग़हु एदममूः चर्हें हूँ बद्दह) शीर्षक से जारी की गई है और २०२५-२६ के शैक्षणिक सत्र के लिए तैयार की गई है. इसमें १३वीं से १७वीं सदी के इतिहास को शामिल किया गया है, जिसमें दिल्ली सल्तनत, विजयनगर साम्राज्य, मुग़ल और सिखाों के उदय तक की जानकारी दी गई है. कक्षा ७ की किताब से मुग़लों को हटाए जाने के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि एनसीईआरटी मुग़ल काल को पाठ्यक्रम से हटाने को लेकर विचार कर रहा है. वहीं अब इस नई किताब में मुग़लों को शामिल तो किया गया है, लेकिन एक नए दृष्टिकोण के साथ. हालांकि, रिपोर्ट यह भी बताती है कि किताब के विभिन्न अध्यायों में मुस्लिम शासकों को ही 'क्रूरता' के लिए विशेष रूप से निशाना बनाया गया है। एनसीईआरटी ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा कि नई पाठ्यपुस्तकों की पुराने सिलेबस से तुलना करना 'बेवजह' है क्योंकि नई किताबों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा २०२३ के अनुसार तैयार किया गया है. रिपोर्ट के मुताबिक, एनसीईआरटी ने मुग़ल शासन की क्रूरता को किताब में शामिल किए जाने का आधार 'इतिहास के कुछ अंधेरे दौर' नाम के एक खास नोट में बताया है. इस नोट में कहा गया है कि 'क्रूर हिंसा, दमनकारी शासन या सत्ता की भटकी हुई महत्वाकांक्षाओं की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझना ही अतीत को ठीक करने और ऐसा भविष्य बनाने का सबसे अच्छा तरीका है. जहां इनकी कोई स्थान न हो.' मुग़ल शासकों पर आधारित किताब के एक अध्याय में, एक नोट में यह भी लिखा है कि 'ऊपर जिन आक्रमणकारियों और शासकों का जिक्र किया गया है, उन्होंने भयावह काम और अत्याचार किए,' साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि 'आज हम उन व्यक्तियों के कर्मों के लिए जिम्मेदार नहीं हैं जो सैकड़ों साल पहले हुए थे.' रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि किताब के अलग-अलग अध्यायों में मुस्लिम शासकों को ही विशेष रूप से 'क्रूरता' के लिए निशाना बनाया गया है. एनसीईआरटी की कक्षा ८ के लिए तैयार की गई नई विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में भारतीय वैज्ञानिक 'विरासत और खोजों' को विशेष रूप से शामिल किया गया है. प्राचीन दार्शनिक आचार्य कणाद की 'पारमाणु' (अणु) की अद्वैतवादा से लेकर आधुनिक टीकों से पहले चेचक से बचाव के लिए अपनाई गई पारंपरिक विधि 'वैरियोलेशन' का भी उल्लेख किया गया है. पाठ्यपुस्तक में 'क्या आपने कभी सुना है?' और 'हमारी वैज्ञानिक विरासत' जैसे खंडों के ज़रिये आधुनिक वैज्ञानिक सिद्धांतों को भारत की कथित प्राचीन वैज्ञानिक खोजों से जोड़ा गया है. एक खंड में रोचक तथ्य दिए गए हैं, तो दूसरे में उन संस्थानों और व्यक्तियों का जिक्र है जिन्होंने वैज्ञानिक सोच के विकास में योगदान दिया.

यह समाचार पत्र मालक, प्रकाशक **सज्जाद हुसेन अलताफ हुसेन**, इन्होंने मुद्रक - औरंगज़ेब हुसेन सज्जाद हुसेन, मुद्रण स्थल- **हुसेनी प्रिटींग प्रेस**, हुसेनी कॉम्प्लेक्स, वाशिम बायपास, अकोला ता.जि. अकोला (महाराष्ट्र) यहा छापकर ऑफीस : **दैनिक सुपफा**, जनता भाजी बाज़ार, अकोला जि. अकोला यहां से प्रकाशित किया. **संपादक : सज्जाद हुसेन अलताफ हुसेन** प्रकाशित लेख और खबरों से संपादक सहमत हैं ऐसा नही. (पी.आर.बी.अक्ट के अनुसार संपादक उत्तरदायी होंगे) सभी प्रकरण अकोला न्यायालय के अंतर्गत रहेंगे.

इराक के अल-कुत शहर के शॉपिंग मॉल में आग लगने से तबाही, कम से कम ५० लोगों की मौत


बगदाद -

इराक के अल-कुत शहर में एक हाइपरमार्केट में बुधवार देर रात भीषण आग

लगने से कम से कम ५० लोगों की मौत हो गई है। आग लगने की घटना में दर्जनों लोगों के घायल होने की रिपोर्ट है। यह जानकारी इराकी सरकारी

समाचार एजेंसी छैन ने दी है, जिसमें वासित प्रांत के गवर्नर के हवाले से ५० लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि पांच मंजिला इमारत आग की लपटों से बुरी तरह से घिरी हुई है और दमकलकर्मी लगातार आग बुझाने की कोशिश में जुटे हैं। आग लगने की वजहों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। गवर्नर ने बताया कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट ४८ घंटे के भीतर जारी की जाएगी। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि मॉल और बिल्डिंग के मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय प्रशासन और बचाव दलों ने रातभर राहत और बचाव अभियान चलाया है। आग का प्रचंड रूप देखते हुए इसे पानी और फोम के जरिए कंट्रोल करने की कोशिश की गई, जिसमें कई घंटों का वक्त लग गया। इमारत में मौजूद दर्जनों लोग फंसे हुए थे, जिन्हें बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। घायलों को अल-कुत के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय स्वास्थ्य विभाग ने आपात स्थिति घोषित कर दी है।

शुक्रवार स्पेशल: इस्लामी दृष्टिकोण से मकान के निर्माण में आवश्यक बिंदु: - इंजीनियर साजिद शेख नागपूर

तेहरान -

अतीत में नज़र डालने से मालूम होता है कि मनुष्य स्वर्गवासी था। स्वर्ग से जब उसका पृथ्वी पर आगमन हुआ तब से उसने अपना जीवन इस धरती पर आरंभ किया। जब से लेकर अब तक वह अपने लिए उपयुक्त आवास के निर्माण और खोज में व्यस्त है। गुफाओं को अपना निवास बनाने वाला मनुष्य शीघ्र ही स्थापत्य कला के विज्ञान और कलाओं में पारंगत हो गया। महान रचनाकार अल्लाह के द्वारा प्रदत्त बुद्धि और क्षमता के आधार पर तथा नवीन आविष्कारों के प्रति उत्साही मनुष्य ने गुफाओं और फूस की झोपड़ियों से बाहर निकलकर भव्य महलों, उद्यानों, पिनामिडों और गगनचुंबी इमारतों का निर्माण करने में भाग लेने लगा। आवासीय बस्तियाँ भी समय के अनुकूल होकर पर्यावरण, मौसम, फैशन और समय की आवश्यकताओं के अनुसार निर्मित होने लगीं। देखते ही देखते घरों की साज-सज्जा और सजावट में प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई। घर न केवल एक मूलभूत आवश्यकता बन कर रह गया, बल्कि जीवन की गुणवत्ता का प्रतीक भी बन गया। मनुष्य का सारा संघर्ष जन्नतनुमा एक आरामदायक, भव्य घर के लिए होने लगा। उसकी मनोकामना ने ऐसा रूप लिया कि क्योँ न ऐसा घर निर्माण किया जाए जहाँ उसे सुरक्षा, एकांत मिल सके और वह उसकी गरिमा और रुचि का दर्पण भी बन सके !

घर की चारदीवारी के भीतर व्यक्ति का अपनी दुनिया और अपना साम्राज्य होता है, इसका वह स्वयं शासक होता है। उसे अपनी मनमर्जी और इच्छानुसार कुछ भी करने की स्वतंत्रता होती है।

घर के मामले में मनुष्य की आवश्यकताओं की कोई सीमा नहीं होती। कभी-कभी एक छोटी सी फूस की झोपड़ी उसकी सभी ज़रूरतों के लिए पर्याप्त लगती है और कभी-कभी हजारों एकड़ में फैले विशाल महल ही उसकी इच्छाओं को पूरा नहीं कर पाते, जिनकी सजावट, व्यवस्था और प्रबंधन पर ही लाखों रुपए खर्च होते हैं।

मानव आवश्यकताओं की सीमाओं का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक अच्छी तरह से सजा हुआ और सुव्यवस्थित घर भी उनकी इच्छाओं की पूर्ति नहीं कर पाता। उसे अपने आस-पास एक पूरा गाँव, बस्ती चाहिए होती है, वह दूसरे इंसानों का सहयोग चाहता है। वह दूसरों को अपने दुख-सुख में भागीदार देखना चाहता है। इसीलिए एक समाज का निर्माण होता है। विभिन्न घरों के निर्माण से एक वातावरण बनता है। एक वातावरण, एक समाज में रहने वाले लोग एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। वे एक-दूसरे के लिए सुख का स्रोत होते हैं। लेकिन दुख का स्रोत तब भी बनता है जब कोई मनुष्य

अपने मानव आदर्श की सीमा को पार करने लगता है। बेहतरीन समाज या एक अच्छा गाँव वह होता है जहाँ रहने वाले लोग एक-दूसरे के लिए यथासंभव मददगार हों, किसी भी विपत्ति में पीड़ित की सहायता कर सकते हों। इस्लामी समाज का मूल सिद्धांत यहीं है कि एक मुसलमान वह है जिसकी जुबान और हाथ से दूसरे लोग सुरक्षित रहें।

मनुष्य की बुनियादी ज़रूरत को ध्यान में रखते हुए, सभ्य समाज में मनुष्यों के बसने और निर्माण के लिए कुछ बुनियादी नियम और कानून होते हैं ताकि व्यक्ति एक-दूसरे के साथ सहज महसूस करे इसीलिए घरों और इमारतों के निर्माण के लिए नियम निर्धारित किए जाते हैं। इस्लामी नज़रिए से भी मकान निर्माण में ज़रूरी बातों और नियमों को ध्यान में रखना ज़रूरी समझा जाता है। इसमें सबसे पहले मक़सद में इख़लास (सच्ची नीयत) को ध्यान में रखना चाहिए।

१) मक़सद में इख़लास (सच्ची नीयत) को ध्यान में रखइस्लाम में किसी भी अमल की बुनियाद नीयत पर होती है। मकान बनाने समय यह नीयत होनी चाहिए कि यह अपने और अपने परिवार के लिए आराम और सुरक्षा का ज़रिया बने, न कि समाज में दिखावे और घमंड का माध्यम। मकान अगर नेक इरादे से बनाया जाए, तो वह एक इबादत बन जाता है।

२) **हलाल कमाई की अहमियत** - मकान निर्माण में इस्तेमाल की जाने वाली रकम हलाल होनी चाहिए। हराम कमाई से बनाया गया मकान बेबरकत होता है। हलाल कमाई से तामीर किया गया घर रहानी सकून और अल्लाह की रहमत का कारण बनता है।

३) **ज़रूरत के मुताबिक़ तामीर**: इस्लाम हमें मिडवे (मियाना रबैया) अपनाने की हिदायत देता है। मकान उतना ही बड़ा और सुसज्जित हो जितनी ज़रूरत हो। ज़रूरत से ज़्यादा बड़ा मकान बनाना सिर्फ़ शोक या दिखावे के लिए इसराफ़ (फिज़ूलखर्ची) में आता है।

४) **किबला रुख़ इबादतग़ाह**: घर में एक कमरा या स्थान नमाज़ और इबादत के लिए मुक़र्र करना चाहिए, जिसका रुख़ किबला की तरफ हो। यह जगह साफ़-सुथरी, پاک और शांत होनी चाहिए। यह हमें दीन से जुड़े रहने का पहरासा दिलाता है।

५) वास्तु, रौशनी और हवा: घर ऐसा होना चाहिए जिसमें ताज़गी बनी रहे। खुली खिड़कियाँ, रोशनी और ताज़ा हवा का इंतज़ाम न सिर्फ़ सेहत के लिए अच्छा है, बल्कि इस्लाम में सफ़ाई को आधा ईमान बताया गया है।

६) **पड़ोसियों के हक़**: घर की डिज़ाइन ऐसी होनी चाहिए कि उससे पड़ोसी की प्राइवसी पर असर न पड़े। खिड़कियाँ या बालकनी



उनके घर की तरफ न हो। इस्लाम में पड़ोसी को इतना हक़ दिया गया है कि नबी करीम (?) ने फरमाया कि 'मुझे लगा कि उन्हें विरासत में भी हक़ मिलेगा।'

७) औरतों, महिलाओं की निजता: घर की डिज़ाइन ऐसी हो कि औरतें, महिलाएँ पर्दे में रहकर भी आराम से अपने काम कर सकें। आंगन, पर्दा, पर्दों की दीवारें, ये सब इस्लामी घर की पहचान होती है। किसी मेहमान, अतिथि के आगमन पर दोनों को ज़रा सा भी व्यवधान नहीं होना चाहिए

८) शौचालय व बुजुू का सही इंतज़ाम: घर में शौचालय और बुजुू का इंतज़ाम इस तरह हो कि वह पाकौज़गी को कायम रखे। बुजुू की जगह साफ़ होनी चाहिए और किबला की तरफ पीठ या चेहरा न हो। शौचालय की सीट किब्ला रुख़ बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए। शौचालय का दरवाज़ा गली में होना चाहिए। यह नापाकी की जगह है जिसे मकान के अंदर रखने से दुश्चरियाँ जन्म लेती हैं। जिका अहसास हमें नहीं हो पाता। शौचालय में पानी की आवश्यकता पर हमेशा ध्यान रखना चाहिए। जाने से पहले आवश्यक पानी का प्रबंध बहुत आवश्यक है। यहां ऊक आपात स्थिति में एक बाल्टी पानी हमेशा किसी टंकी में अवश्य रहना चाहिए।

९) शोरगुल से दूरी और उसे न फैलाना: मकान ऐसे स्थान पर हो जो शांत हो, ताकि इबादत, आराम और तालीम के लिए माहौल अनुकूल हो। बहुत ज़्यादा ट्रैफिक या बाज़ारों के पास घर बनाने से घर का सुकून ख़त्म हो सकता है। इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि शोरगुल फैलाने वाले कहीं हम भी न बन जाएँ।

१०) **निर्माण सामग्री की गुणवत्ता**: इस्लामी शिक्षाएँ बताती हैं कि चीज़ें मज़बूत और टिकाऊ होनी चाहिए। खराब सामग्री का इस्तेमाल करना धोखा और गुनाह

है। अच्छे इंजीनियर और मज़दूरों से काम कराना ज़रूरी है।

११) मज़दूरों के हक़: जो लोग आपके लिए काम कर रहे हैं – जैसे मज़दूर, टेकेदार, इंजीनियर – उन्हें उनका पूरा मेहनताना वक़्त पर देना चाहिए। नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फरमाया: 'मज़दूर की मज़दूरी उसके पसीना सूखने से पहले अदा कर दो।'

१२) बच्चों की परवरिश के लिए जगह: घर में बच्चों के खेलने, पढ़ने और सीखने के लिए सुरक्षित स्थान होना चाहिए। इस्लाम में बच्चों की तालीम-ओ-तर्बियत को बहुत अहमियत दी गई है।

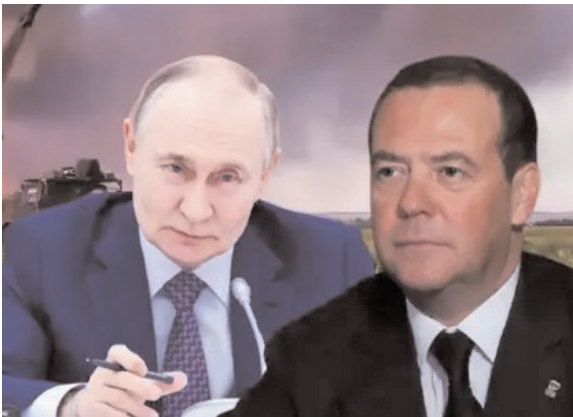
१३) **मस्जिद या मदरसे से नज़दीकी**: अगर संभव हो तो मकान ऐसी जगह बनाएँ जहाँ पास में मस्जिद या मदरसा हो। इससे बच्चे और बड़े नमाज़ और इल्म-ए-दीन से जुड़े रहेंगे।

१४) **सादगी और हया का माहौल**: घर में सादगी, हया और इस्लामी माहौल कायम रहे – जैसे टीवी और मोबाइल के ज़रिए गलत चीज़ों से परहेज़ किया जाए, महिलाओं का पर्दा कायम रखा जाए, और घर को अल्लाह की याद से रोशन किया जाए।

१५) घर में बरकत की दुआ: मकान पूरा होने पर उसमें दुआ करना, सुरह बक़रा की तिलावत करना, और अल्लाह से बरकत माँगना चाहिए। इससे घर में शैतान का असर नहीं होता और रहमत कायम रहती है।

निष्कर्ष: इस्लामी दृष्टिकोण से मकान बनाना सिर्फ़ एक दुनियावी ज़रूरत नहीं, बल्कि एक दीनदाराना जिम्मेदारी है। अगर मकान शरीअत के अनुसार और नेक इरादे से बनाया जाए, तो वह जन्नत का टुकड़ा बन सकता है। हर मुसलमान को चाहिए कि वह मकान निर्माण में इस्लामी उसूलों का पालन करे, ताकि उसका घर अल्लाह की रहमत और बरकत से भरा रहे।

तीसरा विश्वयुद्ध शुरू हो चुका है... रूस के पूर्व राष्ट्रपति का सनसनीखेज बयान, कहा- यूरोप पर बमबारी का आदेश दें पुतिन



मॉस्को:

रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने ऐलान किया है कि तीसरा विश्वयुद्ध शुरू हो चुका है। दिमित्री मेदवेदेव, रूस की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी चेयरमैन हैं और पुतिन के सबसे करीबी लोगों में से एक हैं। पुतिन ने अपने दो कार्यकाल पूरे होने के बाद दिमित्री मेदवेदेव को ही रूस का राष्ट्रपति बनाया था और उन्हें पुतिन के हाथों की कठपुतली कहा जाता है। इसीलिए अगर दिमित्री मेदवेदेव ने तीसरे विश्वयुद्ध की घोषणा की है तो इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। रूस की सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी-चेयरमैन मेदवेदेव ने इस बात पर नाराजगी जताई कि नाटो और पश्चिमी देश पहले से ही रूस के साथ युद्ध में हैं और प्री-एम्पटिव एग्रेस अपनाने हुए रूस को यूरोपीय देशों में पहले बमबारी शुरू कर देनी चाहिए। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन को ५० दिनों के अंदर यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की डेडलाइन दी है। मेदवेदेव ने अमेरिका और यूरोप पर रूस को 'नष्ट' करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रूस से पश्चिमी देश घृणा करते हैं। रूस की राजनीति पर नजर रखने वाले

कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि उनकी टिप्पणी मास्को के राजनीतिक वर्ग के कुछ लोगों की सोच का संकेत देती है। मेदवेदेव ने नाटो और पश्चिमी देशों पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि वे रूस को 'नष्ट' करना चाहते हैं और यह युद्ध अब 'प्रॉक्सी' से आगे बढ़कर 'फुल-स्कैल वॉर' बन चुका है। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ़ प्रतिबंधों और बयानबाजियों तक सीमित नहीं है, बल्कि पश्चिमी मिसाइल, सैटेलाइट खुफिया और यूरोप के सैन्यीकरण के जरिए खुलकर युद्ध लड़ा जा रहा है।' मेदवेदेव ने दावा किया कि पश्चिम देश रूस से नफरत करते हैं और इसीलिए वो रूस को खत्म करने की कोशिश कर रहा है।

इसी तर्क को आधार बनाते हुए उन्होंने कहा कि 'पुतिन को यूरोप पर पहले हमले शुरू कर देने चाहिए।' उन्होंने कहा कि 'हमें अब पूरे तरीके से जवाब देना चाहिए और अगर जरूरत पड़ी तो प्री-एम्पटिव स्ट्राइक (पहले हमला) के लिए भी तैयार रहना चाहिए।' वहीं यह कहने के बावजूद कि रूस को पहले पश्चिम देशों पर बमबारी करनी पड़ सकती है, उन्होंने कहा कि रूस द्वारा नाटो पर आक्रमण करने का कोई भी सुझाव 'पूरी तरह बकवास' है।

DIYAH



सना:

यमन में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को फिलहाल के लिए राहत मिली है। निमिषा प्रिया को १६ जुलाई को फांसी दी जानी थी, जिसे कुछ समय के लिए टाल दिया गया है। इस बीच भारतीय नर्स की जिंदगी का फैसला दो शब्दों के बीच होना है- दियाह या किसास। निमिषा प्रिया को पूर्व बिजनेस पार्टनर और यमनी नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या के जुर्म में मौत की सजा सुनाई गई है। अब तलाल के भाई अब्दुल फतेह महदी का बयान आया है, जिसने निमिषा प्रिया के लिए किसास की मांग की है। इसके बाद से इस शब्द को लेकर चर्चा तेज हो गई है। तलाल अब्दो महदी के भाई ने उन खबरों पर नाराजगी जताई है कि परिवार ब्लड मनी के बदले फांसी की सजा माफ कराना चाहता है। महदी के भाई ने बीबीसी अरबी के साथ बातचीत में बताया कि उनके परिवार की जिंदगी के बदले पैसे में कोई दिलचस्पी नहीं है। उसने यह भी कहा कि वह निमिषा प्रिया के लिए किसास चाहता है, जिसका मतलब है कि वह फांसी की सजा पर अमल चाहता है, जिसका मतलब है बराबर सजा। शरिया या इस्लामी न्यायशास्त्र में इसका मतलब है- अरबी के बदले आंख। यह किसी अपराध के मामले में दोषी को पीड़ित के बराबर सजा देने का समर्थन करता है। मतलब

हत्या के बदले में मौत की सजा मिलनी चाहिए और महदी का परिवार इसी बात पर जोर दे रहा है। परिवार का मानना है कि निमिषा प्रिया ने हत्या के इरादे से ही तलाल को बेहोशी का इंजेक्शन लगाया और फिर मौत के बाद उसकी बाँड़ी को ठिकाने लगा दिया। निमिषा प्रिया की जान बचाने की उम्मीद अब तक एक दूसरे इस्लामी कानून पर टिकी हुई थी, जिसे अरबी में 'दिया' या 'दियाह' कहा जाता है। इसका एक प्रचलित नाम ब्लड मनी है, जिसका मतलब है पैसे के बदले में माफी देना। यह सामान्यतः तब दिया जाता है, जब ऐसा अंदेश हो कि हत्या गलती से की गई है। इसके लिए फैसला करने के चलते उसकी मौत हो गई। हालांकि, तलाल के भाई का अब्दुल फतेह महदी के परिवार का मानना है कि निमिषा ने उनके भाई की हत्या पूरी प्लानिंग से की थी। उन्होंने कहा कि वह दियाह के तहत कोई समझौता नहीं चाहते और निमिषा के लिए किसास की मांग की है।

पैरों में दर्द और झनझनाहट हो सकती है वेरिकोज़ वेन्स की समस्या

सेल्स, मार्केटिंग और नर्सिंग जैसी हॉस्पिटैलटी इंडस्ट्री से जुड़े लोग अक्सर पैरों में तेज दर्द और झनझनाहट की शिकायत करते हैं। कहीं यह किसी बीमारी का लक्षण तो नहीं है?

यह वेरिकोज़ वेन्स नामक स्वास्थ्य समस्या का लक्षण हो सकता है। दरअसल ब्लड वेसेल्स द्वारा हार्ट तक अशुद्ध रक्त पहुंचता है, जिसे पंपिंग की प्रक्रिया द्वारा साफ करके हार्ट उसे ब्लड वेसेल्स के जरिए शरीर के अन्य हिस्सों तक पहुंचाता है। हर धाड़कन के बाद दिल खाली हो जाता है और



अगली धड़कन में वह वापस खून निरंतर चलती रहती है पर से भर जाता है। यह प्रक्रिया लगातार खड़े रहने के वजह से

दिल तक अशुद्ध रक्त ले जाने वाली नलियों में सूजन आ जाती है, जिससे रक्त प्रवाह में रुकावट पैदा होती है और उनमें अशुद्ध रक्त का जमाव शुरू हो जाता है। कैसे करें वेरिकोज़ वेन्स से बचाव हर दो घंटे के अंतराल पर ब्रेक लेकर पांच-दस मिनट के लिए बैठ जाएं। इस दौरान कुर्सी पर बैठकर थोड़ी देर के लिए अपने पैरों की हल्की स्ट्रेचिंग करें। रात को लेटते समय अपने पैरों को किसी ऊंचे तकिए पर रखें, इससे हार्ट तक अशुद्ध रक्त का पहुंचना आसान हो जाएगा। ऐसी समस्या से पीड़ित लोगों

को ग्रेडुएटेड कॉम्प्रेसन स्टॉकिंग्स पहनने की सलाह दी जाती है। विशेष तकनीक से बनी ये स्टॉकिंग्स पैरों में ऑक्सीजन रहित रक्त को जमा होने से रोकती है और रक्त प्रवाह को भी सहज बनाती है। अगर तमाम कोशिशों के बावजूद दर्द और सूजन जैसी समस्याएं हों तो बिना देर किए किसी कॉर्डियो वेस्कुलर सर्जन से सलाह लें। उपचार के बाद यह समस्या दूर हो जाती है। गंभीर स्थिति में सर्जरी की ज़रूरत पड़ सकती है।

आधे सिर दर्द को दूर करने के बेहतरीन उपाय

मनुष्य के सिर के आधे भाग में दर्द हो और आधे भाग में दर्द न हो उसे हम आधासीसी या माइग्रेन के नाम से जानते हैं। आधे सिर में दर्द होने के कई कारण हो सकते हैं जैसे मानसिक व शारीरिक थकावट, अधिक गुस्सा करना, चिंता करना आँखों का अधिक थक जाना, भोजन का न पचना, किसी तरह लक्ष्य को पीने से एलर्जी होना आदि। जो लोग वीर्य विकार और मधुमेह से पीड़ित रोगी होते हैं। उन्हें इसका अधिक खतरा होता है। आइये जानते हैं आधे सिर के दर्द को दूर करने के उपाय के बारे में।

आधे सिर के दर्द को दूर करने के लिए सूर्यादय से पूर्व नारियल एवं गुड़ के साथ छोटे चने बराबर मात्रा में कपूर मिलाकर दिन में तीन बार सेवन करें।

आधे सिर की दर्द को दूर



करने के लिए पीपर एवं वच का आधा आधा ग्राम चूर्ण मिलाकर शहद के साथ चाटने से लाभ मिलता है। गाय का शुद्ध ताजा घी सुबह शाम दो दो बूंद नाक में डालने से आधे सिर की दर्द से राहत मिलती है। दही, चावल व मिश्री मिलाकर सूर्यादय से पहले खाने से सूर्यादय से पहले खाने से सूर्यादय के साथ बढ़ने घटने वाला सिर दर्द ठीक हो जाता है।

लहसुन का प्रयोग : जब भी आपके आधे सिर में दर्द होती है तब ३० ग्राम लहसुन को पीसकर इसका रस

निकाल लें और इसमें आधा ग्राम हींग मिलाकर एक एक बूंद नाक में डालें। इससे आपके आधे सिर का दर्द ठीक हो जाता है साथ ही रोगी को चक्कर आना भी बंद हो जाते हैं। इसके इलावा लहसुन का रस नाक में टपकाने से भी सिर का दर्द ठीक हो जाता है।

दूध का प्रयोग : आधे सिर के दर्द को दूर करने का यह एक कारगर उपाय है। इसके लिए सूर्यादय से पहले गर्म दूध के साथ रबड़ी या जलेबी मिलाकर खानी चाहिए या फिर मेवा में चीनी मिलाकर सेवन करने से आधे सिर का दर्द दूर हो जाता है।

खर्राटों से हैं परेशान तो ये आसान घरेलू उपाय

सोते वक्त कई लोग बहुत ज्यादा खर्राटे लेते हैं। कुछ लोगों को ये समस्या कम तो कुछ लोगों को ये समस्या ज्यादा होती है। खर्राटे लेने की अलग-अलग वजह हो सकती है। कुछ लोगों को इसकी वजह तनाव भी हो सकता है। हालांकि जो लोग खर्राटे की समस्या का सामना कर रहे होते हैं उन्हें खुद इस बात की जानकारी नहीं होती कि वो सोते वक्त खर्राटे लेते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वो गहरी नींद में होते हैं। अगर आपको या फिर किसी आपके जान पहचान के शख्स को खर्राटे की समस्या है तो वो कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर इस समस्या में आराम पा सकता है।

हल्दी का करें सेवन : अगर किसी को खर्राटे लेने की समस्या है तो वो हल्दी का सेवन करें। हल्दी में एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण होते होते हैं जो कि नाक में कंजस्टेड रास्ते को खोलने में सहायता करते हैं। इसलिए आप रोजाना सोने से



करीब आधा घंटे पहले गर्म दूध में हल्दी डालकर पिएं। इससे आपको खर्राटों की समस्या में आराम मिलेगा। **शहद भी है असरदार :** खर्राटों की समस्या में शहद भी काफी असरदार है। इसमें भी प्रचुर मात्रा में एंटी इन्फ्लेमेटरी और एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं। ऐसे अगर आप सोने से पहले शहद की चाय या फिर गर्म पानी में शहद को मिलाकर पिएं तो आपको आराम मिलेगा। शहद का सेवन करने से नाक का मार्ग खुलेगा जिससे ऑक्सीजन आसानी से गुजरती है।

सोया मिल्क का करें सेवन : अगर आपको खर्राटे की दिक्कत है तो आप सोया मिल्क का सेवन करें। इसका सेवन रोजाना करने से भी आपको खर्राटों की समस्या में आराम मिलेगा।

प्याज : सब्जी में खाने का स्वाद बढ़ाने के अलावा प्याज आपको खर्राटों की समस्या को दूर भगाने में भी मददगार है। इसके लिए बस आप रात के खाने में पकी हुई प्याज को शामिल करें। प्याज की महक दिमाग को राहत पहुंचाएगी और बिना खर्राटे लिए आप आराम से सो जाएंगे।

पीलिया खत्म करना है तो आजमाइए ये देसी नुस्खा

जब-जब मौसम बदलता है, तब ये अपने साथ कई बीमारियां लेकर आता है। खासकर, कमजोर इम्यूनिटी वालों को बदलते मौसम की वजह से बीमारियां और इंफेक्शन होने का खतरा अधिक बना रहता है। इसके चलते हर साल करीब लाखों लोग जॉन्डिस यानी पीलिया की चपेट में आ जाते हैं। इसलिए समय रहते इस बीमारी से बचाव करना बेहद ज़रूरी है वरना आगे चलकर ये घातक रूप ले सकता है। वहीं, कई बार खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान की वजह से ये भयानक रूप ले लेता है जिसे ठीक होने में महीने लग जाते हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ देसी

नुस्खे बताएंगे जिनकी मदद से आप जॉन्डिस जैसी बीमारी से जल्द से जल्द छुटकारा पा सकते हैं। **मुलेठी :** मुलेठी के लिए मुलेठी काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें कैल्शियम, ग्लिसराइजिक एसिड, प्रोटीन जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जोकि पीलिया जैसे बीमारी से लड़ने में कारगर होते हैं। इसके लिए पहले मुलेठी को पीसकर पाउडर बना लें। उसके बाद इस पाउडर में थोड़े से शहद में मिलाकर इसका सेवन करें।

नीम का रस : नीम की पत्तियां पीलिया के मरीजों के

पीलिया को खत्म करने में मूली आपकी मदद कर सकती है। इसके लिए पहले आप मूली के साथ मूली के पत्तों का भी रस निकाल लें। उसके बाद इस रस में काला नमक मिलाकर इसका सेवन करें। इससे पीलिया जल्द खत्म होने में मदद मिलेगी साथ ही आपका पाचन तंत्र सही रहेगा।

साबुत धनिया : साबुत धनिया खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ ही ये पीलिया में भी आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए थोड़े से साबुत धनिया को रात भर पानी में भिगोर रख दें। फिर

सुपारी का अधिकतर प्रयोग पूजा पाठ या फिर पान में किया जाता है, लेकिन क्या आपको पता है कि सुपारी सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद विटामिनस् स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। सुपारी एक जड़ी-बूटी है, जिसके इस्तेमाल से रोगों को ठीक करने में मदद मिलती है। सुपारी के इस्तेमाल से कई बीमारियों को इलाज भी किया जा सकता है।

उल्टी रोकने में मददगार : सुपारी में कई ऐसे तत्व मौजूद हैं, जो आपके जी मिचलाने की समस्या से आराम दिलाते हैं। यदि आपको बार-बार उल्टी आ रही है या ऐसा मन हो रहा है, तो सुपारी

आपके लिए फायदेमंद हो सकती है।

ऐसे करें इस्तेमाल : सुपारी की भस्म और नीम की छाल को पानी में मिला लें। इसे खानकर थोड़ा-थोड़ा पिलाने से उल्टी रुकती है।

दांतों के लिए फायदेमंद : सुपारी में एन्थेलमिटिक का प्रभाव होता है जो दांतों पर जमने वाली कैविटी को खत्म कर स्ट्रॉन बनाता है। इसके अलावा कई लोग सुपारी का चूर्ण बनाकर दांतों के पीलेपन को दूर करने के लिए इस्तेमाल करते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल : बराबर-बराबर मात्रा में सुपारी, खदिर, पिप्पली, तथा मरिच का भस्म बना लें। इसे दांतों पर मलें। इससे

गोलगप्पे का पानी दिलाता है कई बीमारियों में आराम

शायद ही कोई ऐसा हो जिसे गोलगप्पे खाना पसंद न हो। हर किसी के मन को भाते हैं गोलगप्पे। इन्हें पानीपुरी, फुल्की या फिर पुचका के नाम से भी जाना जाता है, लेकिन क्या आपको पता है कि यह सिर्फ मुंह

के टेस्ट को बदलने के लिए बल्कि आपके सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। दरअसल, आपके शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी को कम करने में गोलगप्पे बहुत ज्यादा मदद करते हैं। एक गोलगप्पे में ३६

बेहद असरदार है। इसके लिए नीम के पत्तों को पीसकर रस निकाल लें। उसके नियमित रूप से इसका सेवन करें। ऐसा करने से आपको फर्क नजर आ सकता है।

मूली का रस : पीलिया को खत्म करने में मूली आपकी मदद कर सकती है। इसके लिए पहले आप मूली के साथ मूली के पत्तों का भी रस निकाल लें। उसके बाद इस रस में काला नमक मिलाकर इसका सेवन करें। इससे पीलिया जल्द खत्म होने में मदद मिलेगी साथ ही आपका पाचन तंत्र सही रहेगा।

साबुत धनिया : साबुत धनिया खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ ही ये पीलिया में भी आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए थोड़े से साबुत धनिया को रात भर पानी में भिगोर रख दें। फिर



सुबह इसे पी जाएं। इससे पीलिया जल्द खत्म होने में मदद मिलती है। **जॉन्डिस के लक्षण** ● शरीर में खून की कमी होना ● शरीर पीला हो जाना ● पाचन तंत्र कमजोर हो जाना ● आंखों में पीलापन आना ● यूरिन का रंग पीला होना ● जी मचलना ● भूख न लगना ● चक्कर आना ● थकावट कमजोरी महसूस होना ● वजन कम होना

वज़न घटाने के अलावा और समस्यायों में गुणकारी है तुलसी

वजन घटाना किसी के लिए भी आसान काम नहीं है। फिर चाहे आपको दो किलो कम करना हो या फिर २० किलो। हाइट के हिसाब से सही वज़न बनाए रखने या पाने के लिए हम क्या नहीं करते, लेकिन कई लोगों के लिए यह जिद्दी फैट्स जाने का नाम नहीं लेते। अगर आप भी काफी समय से वज़न को कम करने से जूझ रही हैं, तो इस बार तुलसी का इस्तेमाल भी कर के देखें।

हम में से ज्यादातर लोगों ने बचपन से ही घर के आगन में तुलसी का पवित्र पौधा देखा है। ऐसा इसलिए क्योंकि तुलसी एक पारंपरिक चिकित्सा में काम आने वाली औषधि है। तुलसी सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद मानी जाती है। चाय का स्वाद बढ़ाने से लेकर तुलसी का इस्तेमाल सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को लिए किया जाता है। तुलसी शरीर के लिए भी काफी अच्छी मानी जाती है, इसलिए इसे आयुर्वेद का सुनहरा इलाज भी माना जाता है। अगर इसे रोज़ाना पानी में मिलाकर पिया जाए तो इसके कई फायदे हो सकते हैं।

वज़न घटाने में फायदेमंद : यह आसान ट्रिक आपकी



चयापचय को बढ़ाने के साथ कमर को भी पतला करने में मदद करता है। तुलसी में प्राकृतिक कैमिकल्स होते हैं, जो पाचन को आसान बनाते हैं और साथ ही मोटापा भी कम होता है।

डिटॉक्स करती है तुलसी : सुबह की शुरुआत खास हो इसके लिए लोग न जाने कितनी उपाय करते हैं। सुबह उठते हुए तुलसी का पानी पीने से आपके शरीर से सारे टॉक्सिंस बाहर निकल जाते हैं। तुलसी के पत्तों के औषधीय गुण होते हैं, जो आपके पेट को प्राकृतिक रूप से साफ करते हैं।

तनाव दूर करने में मददगार: रिसर्च से पता चला है कि तुलसी के पानी का नियमित सेवन तनाव संबंधी विकारों के लिए एक एंटीडोट के रूप में काम कर सकता है और मस्तिष्क के काम

में सुधार कर सकता है। **सांस से जुड़ी दिक्कतों के लिए :** तुलसी में शक्तिशाली एक्सपेक्टोरेंट और एंटीट्यूबिक् गुण होते हैं, जो कफ, इरिटेशन की जड़ को खत्म करने के साथ खांसी को दबाता है। तुलसी के पानी में कई एंटी-एलर्जी और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं जो सर्दी और संबंधित संक्रमणों को दूर रखते हैं।

आसान है तुलसी का पानी बनाना : रात में एक गिलास पानी में तुलसी की तीन या चार पत्तियां डालकर रख दें। इस पानी को सुबह छान लें और पिएं। जिन लोगों को सर्दी-जुकाम की शिकायत रहती है, उन्हें इस पानी को उबालकर पीने से काफी फायदा मिल सकता है।

नहाने का ये तरीका मुसीबात बन सकता है

आपको स्ट्रोक के खतरे सक बचा सकता है। दरअसल हमारे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन ऊपर से नीचे यानि सिर से पैर की ओर होता है। ऐसे में अगर आप सिर पर सीधे ठंडा पानी डालते हैं तो मस्तिष्क की महीन नलिकाएं सिकुड़ जाती हैं और सिर भी ठंडा होने लगता है।

● ऐसा होने से ब्लड सर्कुलेशन

तो प्रभावित होता ही है, हार्ट अटैक या दिमाग की नस फटने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए यह ज़रूरी है कि सीधे सिर पर पानी डालने के बजाए पैरों से शुरुआत करें और जांघ, पेट, घुटने की सफाई करते हुए शरीर पर पानी डालते हुए नहाएं। इसके बाद कंधे और चेहरे पर पानी से सफाई कर आप चाहें तो

सिर पर हल्के से पानी डालकर या शॉवर के नीचे खड़े होकर नहा सकते हैं। ● ठंडे मौसम में आपको यही प्रक्रिया अपनाना चाहिए। बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए इस मौसम में नहाने का ये तरीका न केवल आपको स्वस्थ रखेगा, बल्कि शारीरिक सफाई भी बेहतर होगी।

औषधीय गुणों से भरपूर है सुपारी पेट से लेकर दांत के दर्द के लिए है फायदेमंद

आपको आराम मिलेगा। **मुंह के छालों के लिए लाभदायक :**

अक्सर हम लोगों ने सुना होता है कि मुंह या होंठ के छालों को दूर करने के लिए कच्चा वाला पाना खाने से इस समस्या से छुटकारा मिल जाता है।

ऐसे करें इस्तेमाल : पान के पत्ते के साथ- साथ सुपारी खाने से भी मुंह के छाले दूर हो जाते हैं।

दस्त रोकने में कारगर है सुपारी :



सुपारी में कुछ ऐसे तत्व भी पाए जाते हैं, जो पेट व आंतों की कार्य प्रक्रिया को सामान्य बनाए रखने में मदद करते हैं। सुपारी का सेवन करने से दस्त जैसी समस्याओं को दूर भी किया जा सकता है।

ऐसे करें इस्तेमाल : पांच हरे सुपारी फल को धीमी आग में पकाएं। जब अन्दर की ओर जलने लगे, तब इसे निकालकर, काटकर प्रयोग करें। इससे दस्त में लाभ होता है।



है। गोलगप्पे के पानी में मीठा कम डालें और पुदीना, जीरा, हींग मिलाने से पाचन शक्ति मजबूत होती है। गोलगप्पे में इस्तेमाल होने वाला हरा धनिया पेट फूलना और यूरिन की समस्या से छुटकारा दिलाता है। साथ ही पानी में मौजूद हींग, एंटी-फ्लैटुलेंस गुणों के कारण पीरियड्स में होने वाले दर्द और पेट में गड़बड़ी को रोकने में भी मदद करता है।

मुंह के छाले को करता है गायब : यदि आपने किसी के मुंह से गोलगप्पे खाने से मुंह के छाले खत्म होने की बात सुनी है तो यह गलत बात नहीं होगी, क्योंकि

मुंह के छाले के दौरान गोलगप्पे के साथ मिलने वाले जलजीरा में तीखापन और पुदानी या खट्टापन से छाले को दूर करने में सहायक होता है। हालांकि यह अधिक मात्रा में नहीं खाना चाहिए। **एसिडिटी को कम :** कई बार ठीक से खाना ना पचने या यात्रा करते समय लोगों को बहुत अधिक उल्टी की समस्या होती है।

ऐसे में पानी पुरी खाने से आराम मिलता है। दरअसल, पानी पुरी में काला नमक होता है जो पेट की गैस, बदहजमी और ब्लोटिंग से आराम दिलाता है।

